



८७

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से विकासित
PUBLISHED BY AUTHORITY

लं. 355]

मई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 1992/भाद्रपद 4, 1914

No. 355] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 1992/BHADRA 4, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिसके लिए यह असम लोकालय के कानून में
इसका जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

प्रबूषण और उन संबालय

संकल्प

मई दिनों, 26 अगस्त 1992

विषय : प्रबूषण निवारण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

सा.का.नि. 736 (प्र) :—केन्द्र सरकार ने प्रबूषण के निवारण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने हेतु उद्योगी और संबालनों को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार देने को एक योजना संस्थापित करने का निर्णय लिया है।

2. उन इकाइयों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिये जाएंगे, जो प्रबूषण के निवारण के लिए स्वच्छ प्रोटोकोलों, उद्योगी या उद्योगों के विकास वा उनके प्रयोग के महत्वपूर्ण तथा पर्याय योगदान करेंगे और प्रबूषणीय समस्याओं के लिए नए हल खोजें। प्रबूषण निवारण का उद्देश्य प्राहृतिक संसाधनों, विशेषकर जल संरक्षण करना और जागरूक प्रभावी तरीकों के लिए प्रबूषकों के सुनन को रोकना है। इन गतिविधियों में ऊर्जा को बचत करने वाले प्रोटोकोलों, उद्योग पुनर्निर्माण या कम ब्रह्मण को जाली सामग्री के प्रयोग का विकल्प तथा संवीक्षण एवं प्रबूषण में कमी जाने वाले वाले वर्ष प्रक्रियाओं को जामिस किया जा सकता है।

3. पुरस्कार के लिए द्रौपदी के साथ प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा जिसकी पुरस्कार दियेंगे तथाहि इन से प्रयोग पास रख सकते हैं।

4. प्रथमिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को घटनिर्धारित जेली में से प्रत्येक का प्रति वर्ष एक पुरस्कार को 'बर' से कुल अठाह (18) पुरस्कार दिए जाएंगे। इन उद्योगों की शिकायत निम्नानुसार भी गई है :

1. चीमी
2. उर्वरक
3. मोर्सेट
4. किष्कन और मरमिर्दाणगाला
5. एल्यूमिनियम
6. ऐट्रो-रस(थन)]
7. ताप विचुति,
8. कार्बिक सोडा]
9. तेल सोधन कारखाने
10. सल्फूरिक एसिड

11. अर्देशीवन शालाएँ
12. संदो ग्रामान
13. जस्ता प्रगानन
14. लोहा और इस्पात
15. सुगंधी और कागज
16. शाई और चाई इन्टरमीडिएट्स
17. कीटोनाशक
18. कोमोड्यूलिकल्स

5. निम्नलिखित शेणों के खण्ड उच्चोंगों की प्रति वर्षीय राशि (5) पुरस्कार दिए जाएंगे :

1. अर्देशीवनशालाएँ
2. सुगंधी और कागज
3. शाई और चाई इन्टरमीडिएट्स
4. कीटोनाशक
5. कोमोड्यूलिकल्स

6. पुरस्कार के बाल प्रगांसनीय नामांकन उत्तमता होने पर दिए जाएंगे।

7. इकाईयों ने एक पर्यावरणीय सुरक्षा प्रणाली सूक्ष्म की है जिसमें पूरी इकाई के लिए एक नीति संबंधित स्थान के लिए पर्यावरणीय कार्यक्रम उत्तम कार्यक्रम के कार्यक्रम तथा पर्यावरण के लिए प्रायोक्तिव संगठनात्मक उपायों और कार्यक्रमों को परिभावित करने वालों एक प्रबंध प्रणाली होनी चाहिए। प्रबंध प्रणाली में पर्यावरणीय अवस्थाओं की जांच के लिए एक कार्यक्रम भी समिक्षा होना चाहिए। प्रत्येक जांच के बाबू, जनता के लिए एक पर्यावरण विवरण तैयार किया जाना है। इस विवरण में पर्यावरणीय पुनरोक्ति की विवरण में शाई गई समस्याओं नीति के स्वतंत्र नियावन सार से संबंधित आकहे, स्वतंत्र पर कार्यान्वयन कार्यक्रमों और उद्देश्यों तथा इनके बारे में जानकारी यह उद्देश्यों की प्राप्त करने के लिए किए गए उदायों की प्रस्तुत किया जायेगा। इस सूचना की इकाई के लेखांशों के आविष्क विवरण में निम्नक महत्व की रिपोर्ट का एक हिस्सा बनाया जायेगा।

8. पुरस्कार के लिए पालता निम्नलिखित शान्तों पर सामान्य होती है :

- (1) पर्यावरणीय प्रबूषण की आवश्यकताओं को परिभावित करने प्रबूषण निवारण लक्ष्यों की पूरा करने और शायु, जल तथा नूनि की सुधारता में समर्प सुधार में सकलता;
- (2) सुषुक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक कल्पना और साधन [प्रभावकारिता];
- (3) उत्पादित अपशिष्टों में कमी, पुनरुत्थान, रिसाइकिंग या किसी प्रकार के सामान्यक उपयोग सहित उचित उपकरण;
- (4) वर्ष में बहिक्षणों तथा उत्पादों में भारी और निरन्तर कमी;
9. परिसंकटमय रसायनों का उपयोग करने वाली इकाईयों के आस-पास रहने वाले समुदाय के लिए बतारे की कम करना;
- (6) पर्यावरणीय दृष्टि से धनुकूल उत्पाद बनाने वाला पर्यावरणीय दृष्टि से ठोक श्रीयोगियों के विकास एवं प्रयोग की विश्वा में कोई अन्य उल्लेखनीय विशिष्टि भवना भवत्पूर्ण योगदान जैसे स्वैच्छिक वनीकरण तथा पर्यावरणीय दृष्टि से ठोक श्रीयोगियों अनुसंधान
- (7) पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए ठोक पद निरन्तर उत्तम; तथा

8 पर्यावरणीय दृष्टि से धनुकूल उत्पाद बनाने तथा पर्यावरणीय दृष्टि से ठोक श्रीयोगियों के विकास एवं प्रयोग की विश्वा में कोई अन्य उल्लेखनीय विशिष्टि तथा महत्वपूर्ण योगदान जैसे स्वैच्छिक वनीकरण तथा पर्यावरणीय दृष्टि से ठोक श्रीयोगियों अनुसंधान

में घटणों कार्य तथा यहां तक कि उद्योगों को उस श्रेणी में पर्यावरण की दृष्टि से धनुकूल प्रौद्योगिकों में अनुसंधान तथा संज्ञानित रिसाइकिंग को मात्रा बढ़ाने के लिए में उल्लेख कार्य किया जाता है। इन उदायों में पर्यावरणीय सुधार के लिए पर्यावरणीय और निरन्तर उत्तम तथा कोई अन्य मद को सकारात्मक पर्यावरणीय प्रबंध की विश्वा में कमानों को कार्योरिट फिलास्को की सूचक हो, जानित है।

9. गुणात्मक तथा मात्रात्मक योगदान का महत्व और पर्यावरण का परिसेय प्रदाव अथवा का सूच्य मानदण्ड होगा। मात्रात्मक उद्योगों का प्रारंभिक लक्ष्य उत्पादन की प्रति यूनिट उत्सर्जन और वस्तुतात्व में कमी को मारना है। गुणात्मक तथ्यों में प्रबूषण के उपकरण के लिए वस्तुओं द्वारा किए प्रयासों का गुणवृक्षण, जो निम्न प्रक्रिया का एक प्रभन्दार्य है जट्क और उसके पार निरन्तर आवार पर पर्यावरणीय सुधार सुनिश्चित किया जाएगा। निर्धारित मापदण्डों का पालन न करने वाली श्रीयोगिक इकाई इस पुरस्कार को पाल नहीं होगी।

10. अग्रन समेत प्रायोजक प्राविकरणों से पुरस्कारों के लिए प्राप्त नामांकनों को समीक्षा करेंगी, यह उस राज्य का प्रबूषण नियंत्रण बोई होगा, जहां उच्चोग स्थित है।

11. ये पुरस्कार वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए कार्यों के लिए दिए जाएंगे। प्रायोजक प्राविकरण अपने नामांकन हर वर्ष निर्धारित नियंत्रण पर पर्यावरणीय और वन संज्ञानप में प्रबूषण नियंत्रण के प्रभारी प्रधिकारी के पास देंगे।

12. निम्नलिखित मददगारों की एक व्यवहारिकी (पुरस्कारी के लिए सुलझार को संस्थान करेंगी) —

- (1) संविध, पर्यावरण और वन संवादप्रभाव
- (2) अध्ययन केंद्रोंप्रबूषण नियंत्रण बोई
- (3) महानिवेदन, वकारीयों विकास
- (4) अध्ययन, स्टेटिक काफेस भाक दिल्ली एंटरप्राइज
- (5) महानिवेदन, भारतीय मानक संस्थान
- (6) निरेक्ष, नेतृत्व इवादरमेंट। इंजीनियरिंग एसेंसी, इंस्टीट्यूट
- (7) अध्ययन, फैक्ट्रेन और इंडियन बैंकर भाक कामसे एवं इंडस्ट्रीज
- (8) अध्ययन, एसेंसीएटिंग बैंकर भाक कामसे एवं इंडस्ट्रीज
- (9) अध्ययन, कानकेन्ड्रेन भाक इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूज
- (10) विकास यायकृत, अनु उच्चोग
- (11) पर्यावरणीय और वन संज्ञानप में प्रबूषण नियंत्रण के प्रभारी प्रधिकारी।

13. पुरस्कार विजेताओं की वर्तने कर्तव्यों की विपल विन, टाई वरदा विशिष्ट प्रकार के दैव, जिन पर एक संकेन में है एन बी विन्हित होगा, जारी करने का प्रधिकार है। पुरस्कार विजेता अपने वलन-विजेतों अथवा अन्ती दौर से जारी किए जाने वाले विजेताओं में सी विन्हि का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसे सभी यामलों में पुरस्कार प्राप्त करने के बारे का अवधारण उल्लेख किया जाना चाहिए।

14. पुरस्कार हर वर्ष एक भी-भारिक यामरांह में दिए जाएंगे।

15. यह संकल्प सा का नि. स. 774 (ई) नियोग 10 मिनाम्बर, 1990 के तहत प्रकाशित संकल्प के प्रतिक्रिया में।

भारत

भारेत दिया जाता है कि इस सकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए तथा इसकी एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए।

[संख्या प्र. 16010/52/90-सी.पी.३]
मृकुल समाचार, संयुक्त अधिकार

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS RESOLUTION

New Delhi, the 26th August, 1992

Subject :—National Awards for prevention of pollution.

G.S.R. 736(E).—The Government have decided to institute a scheme of national Awards, to encourage industries and operations to take significant steps for prevention of pollution.

2. Awards will be granted each year to units which make a significant and measurable contribution towards development or use of clean technologies, products or practices that prevent pollution and find innovative solutions to environmental problems. Pollution prevention aims to conserve natural resources, particularly water, and to prevent the generation of pollutants through cost effective means. The activities can include new technologies that save energy or other resources, product reformulation or substitution to use fewer polluting material and modifications and new processes which reduce pollution.

3. The awards will be in the form of a trophy and a citation which will be retained permanently by the awardee.

4. Awards numbering upto eighteen (18) will be given each year, once in each of the identified category of highly polluting industries. These industries have been identified as follows :—

- (1) Sugar.
- (2) Fertiliser.
- (3) Cement.
- (4) Fermentation and Distillery
- (5) Aluminium.
- (6) Petro-chemicals.
- (7) Thermal Power
- (8) Caustic Soda.
- (9) Oil Refinery.
- (10) Sulphuric Acid.
- (11) Tanneries.
- (12) Copper Smelting.
- (13) Zinc Smelting.
- (14) Iron and Steel.
- (15) Pulp and Paper.
- (16) Dye and Dye Intermediates.
- (17) Pesticides.
- (18) Pharmaceuticals.

5. Awards numbering upto five (5) will be given each year to small scale industries in the following categories :—

1. Tanneries.
2. Pulp and Paper.
3. Dye and Dye Intermediates.
4. Pesticides.
5. Pharmaceuticals.

6. The awards will be given only if meritorious nominations are available.

7. The units must have introduced an environmental protection system comprising a policy defined for the units as a whole, an environmental programme for the site concerned and a management system defining the organisational measures and working procedures required to implement and supervise the programme. The management system should include an environmental audit programme. After each audit, an environment statement intended for the public has to be prepared, presenting an objective report on the problems brought to light during the environmental review, figures on the units' performance, summary of the policy, programmes and objectives pursued at the site and information on the intentions and steps taken to achieve these objectives. The information is to be made a part of the Report of the Board of Directors in the Annual Statement of Accounts of the unit.

8. The eligibility for the awards shall be based on the following considerations :—

- (i) Success in defining environmental pollution needs, meeting pollution prevention goals, and overall improvements to the quality of air, water and land,
- (ii) Soundness of approach, scientific design, and effectiveness,
- (iii) Abatement, including reduction, reuse, recycling or any beneficial use of waste generated,
- (iv) Substantial and steady reduction in the effluents and emissions in the year,
- (v) Reduction of risk to the community living in the vicinity of units handling hazardous chemicals,
- (vi) Any other identifiable specific and significant contribution towards the manufacture of environmentally friendly products and development and use of environmentally sound technologies,
- (vii) Substantial and continuing steps for environmental improvement and,
- (viii) Any other identifiable specific and significant contribution towards the manufacture of environmentally friendly products and development and use of environmentally sound technologies and aspects such as voluntary afforestation and even pioneering work in research towards environmental friendly technology and maximum amount of recycling possible in that category of industries. These steps will include substantial and continuing steps for environmental improvement and any other item which would be indicative of the corporate philosophy of the company towards positive environmental management.

9. The significance of the contribution both in qualitative and quantitative terms, as well as measurable impact on the environment will be the major criteria for selection. The quantitative factors are primarily aimed at measuring the reduction in emissions and effluents per unit of output. The qualitative factors will assess the efforts initiated by the management to make abatement of pollution an essential ingredient of the manufacturing process and thereby ensure environmental improvement on a continuing basis. An industrial unit which is not meeting the standards prescribed will not be eligible for the award.

10. The Selection Committee shall review the nominations for the awards received from the sponsoring authorities, which shall be the Pollution Control Board of the State where the unit is located.

11. The awards will be given for performance during the financial year. The sponsoring authorities shall forward their nominations to the officer in charge Pollution Control in the Ministry of Environment and Forests on a date to be published every year.

12. A Selection Committee consisting of the following persons will make recommendations for the awards to the Government:—

- (i) Secretary, Ministry of Environment and Forests—Chairman.

- (ii) Chairman, Central Pollution Control Board.
- (iii) Director General, Technical Development.
- (iv) Chairman, Standing Conference of Public Enterprises.
- (v) Director General, Indian Standards Institution.
- (vi) Director, National Environmental Engineering Research Institute.
- (vii) President, Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry;
- (viii) President, Associated Chamber of Commerce of Industry.
- (ix) President, Confederation of Indian Industry;
- (x) Development Commissioner, Small Scale Industries;
- (xi) Officer in charge of Pollution Control in the Ministry of Environment and Forests.

13. Winners of the awards have the privilege of issuing to their employees-lapel pins, ties or other distinctive badges with the symbol ENV in a circle embossed on such material. The winners of awards shall also have the option to use this symbol in their letter heads or any advertisement issued by them. The year of the awards shall invariably be mentioned in all such cases.

14. The awards will be given at a formal ceremony every year.

15. This Resolution is in supersession of the one published under GSR 774(E) dated 10. September, 1990.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India and a copy thereof communicated to all concerned.

[No. Q-16016/52/90-CPA]

MUKUL SANWAL, Jt Secy.